RNI No.: RAJHIN/ 2014 / 65130

राजस्थान नेत्र ज्योति

वर्ष : 2022 अंक : 2 अप्रैल–जून, 2022

राजस्थान नेत्र ज्योति
अप्रैल-जून, 2022

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

सम्पादकीय

नेत्रदान की अनिवार्यता का सवाल !

- यह दुनिया बहुत ही खूबसूरत है। लेकिन इसकी सुंदरता का अहसास तभी हो सकता है जब देखने के लिए दो आंखें हों।अभी भी असंख्य लोग ऐसे हैं जो कॉर्निया की खराबी के कारण नहीं देख पा रहे हैं । देश में उनके लिए काम करने वाली अनेक संस्थाएं हैं जो मृत देह से कॉर्निया दान में लेकर द्रष्टि बाधित लोगों की आंखो में प्रत्यारोपित करवा रहीं हैं, ताकि वे इस खूबसूरत दुनिया को देख सकें।
- राजस्थान आई बैंक सोसाइटी, जयपुर कम्यूनिटी आधारित देश की ऐसी पहली संस्था है जो जाति,धर्म, संप्रदाय, गरीब- अमीर आदि का भेद-भाव किए बिना पहले आओ, पहले पाओ के सिद्धांत पर जन-सहयोग के आधार पर पिछले दो दशकों से नेत्रदान प्राप्त करने तथा राज्य के तथा अन्य राज्यों के द्रष्टि बाधित लोगों की आंखो में कॉर्निया प्रत्यारोपित कराने का काम कर रही है। संस्था जून 2022 तक लगभग 11057 से अधिक दृष्टि बाधित लोगों के जीवन में रोशनी लाने का काम कर चुकी है। लेकिन राजस्थान में अभी भी हजारों लोग कोर्निया प्रत्यारोपित करवाने वालों की कतार में हैं ।
- मन में प्रश्न उठता है की क्या कभी वह दिन आएगा जब सभी जरूरतमंद लोगों के लिए कोर्निया लगाने की व्यवस्था हो जाएगी? आगे भविष्य के सभी दृष्टिबाधित लोगों के लिए आई बैंक सोसाइटी जैसी संस्थाओं के बैंकों में जब जरूरत हो तब कोर्निया उपलब्ध होजाए, तो मैं कहूंगा, हाँ ऐसा हो सकता है। लेकिन यह तभी, जब केंद्र व राज्य सरकारें इस परोपकारी कार्य के प्रति गंभीर रुख अपनाते हुए इस क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं से विचार विमर्श कर ऐसी एडवाइजरी जारी करादे जिस के तहत प्रत्येक व्यक्ति मरणोपरांत कोर्निया दान करने का संकल्प-पत्र भर कर संस्थाओं में अनिवार्य रूप से जमा कराएं। यदि सरकारें चाहें तो ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने या नवीनीकरण करवाने के समय नेत्रदान का संकल्प पत्र भर कर देना अनिवार्य किया जा सकता है। इसी प्रकार केन्द्र व राज्य सरकारों को अपने अधीन काम करने वाले कर्मियों जैसे सेना के विभिन्न अंग बीएसएफ, पुलिस, एनसीसी, स्काउट, होमगार्ड, टेरिटोरियल आर्मी, जेल, वन विभाग आदि अन्य वर्दी धारी कर्मियों को मरणोपरांत नेत्रदान करने के फॉर्म भरकर जमा करवाना अनिवार्य करा दे।

उपरोक्त कुछ ऐसे सुझाव हैं जिन पर ठोस निर्णय की व्यवस्था होजाए तो इस क्षेत्र में काम करने वाले समाज सेवियों को जागरूकता अभियान चलाने के दौरान काफी अच्छा सहयोग आसानी से मिल जाएगा।

- अंधता निवारण का कार्य तभी गतिशील हो सकता है जब नेत्रदान एक जन आन्दोलन का आकार ले और हर परिवार इसे अपनी परंपरा का हिस्सा बनाएं। सभी लोग दृढ़ता पूर्वक यह सोचें कि मृत्यु होने के बाद नेत्रदान कराए बिना शवों को जला कर या गाड़ कर अथवा बहा कर कोर्निया को नष्ट करने से क्या फायदा मिल रहा है? क्यों नहीं इसका जरूरतमंदों को रोशनी देने के उपयोग मे लेने के लिएअपनी सहमति दें ।
- इसी संदर्भ में, जयपुर स्थित भाटिया भवन में गत दिनो भाटिया बिरादरी की साधारण सभा की बैठक हुई थी जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि भाटिया परिवार में किसी व्यक्ति का निधन हो जाए तो उसका नेत्रदान अनिवार्य रूप से कराया जाएगा। गत वर्ष जागरूकता अभियान के दौरान जयपुर तथा अन्य स्थानों पर कुछ कॉलोनियों के निवासियों ने भी नेत्रदान के संकल्प-पत्र भर कर देने का निर्णय लिया। अनेक लोगों ने जमा भी करवाए थे।
- इसी क्रम में दो जैन साधुओं जैन श्वेतांबर संघ के मनीषी विद्वान मुनि महाराज चंद्रप्रभ जी और दिगंबर संप्रदाय के विख्यात जैन मुनि पुलक सागर जी महाराज साहब तथा सनातन धर्म के स्वामी अवधेशानन्द गिरी का उल्लेख आवश्यक है। इन साधुओं ने अपने अनुयायियों से स्पष्ट कहा है कि वे नेत्रदान के द्वारा अंधेरे में जी रहे लोगों के जीवन में रोशनी लाने का पुण्य कार्य करें और इस मानव कल्याण के पवित्र कार्य में सक्रिय होकर अपनी भागीदारी निभाएं।

लक्ष्मण बोलिया
सम्पादक

President Message

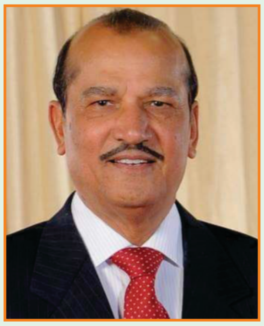

Dear friends

Performance of the team EBSR in the second quarter of the Year 2022 has been remarkable .We have been able to create new milestones in few areas. The Jaipur chapter has given in every month of this quarter April, May and June more than 100 corneas for the first time. Similarly, Eye bank Society as a whole has provided more than 150 transplantable corneas in every month of this quarter. As a result of this performance, for the FIRST TIME we could transplant more than 454 corneas out of 683 collected in this quarter.This has been Best ever performance by EBSR. Last line in the second quarter of the year 2019 we transplanted 418 corneas .I would like to compliment every member of the team is EBSR for this outstanding work. In the first six months we have already given about 800 transplantable corneas. At this rate we can hope to achieve new Heights at the end of the year .

In our quest to improve we have introduced a new QR code system for transfer of funds to EBSR accounts. This is likely to help our donors to transfer funds with much less formalities of entering accounts etc.

We have also taken steps to rejuvinate our website which is more than 10 years old into a new format. I am sure soon we will be able to launch our website in a revised format which will be of course updated. This will help stakeholders to keep abreast with information about EBSR..

Though, We have been trying to organise activities to spread awareness about eye donation generally throughout the year, but for a fortnight during August September every year we celebrate it with a lot of gusto and enthusiasm. We are approaching that period now. Therefore, I will urge every member of the society to plan and participate in awareness activity in their respective area so that we can reach out to untouched areas also to increase eye donation. We have to think of innovative methods to generate interest in the public and keep the momentum going. This will help us to continue our journey on a path of success.

With my Best Wishes and Warm Regards.

B. L. Sharma
President

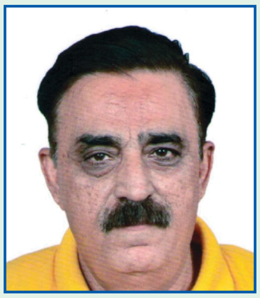

MESSAGE FROM THE CO-EDITOR

Awareness activities are key tools to promote Eye Donation . We appeal to the all Communities / Association / Industrial Organizations / Educational Institutions / Religious places to arrange Eye Donation talk in your meetings / functions .We will happy to nominate our representative for the same.

The National Eye Donation Fortnight will be observed on 25th August 2022 to 8th September 2022. We invite all the NGO's to joint hands for awareness activities during said period. Your small support will give immense happiness on the face of recipients of Eye / cornea.

The restoration of sight to which we are all committed is best served when we are working together for the advancement of eye banking and recipients care. The field of eye banking is changing and expanding in areas of new services and technology, making it even more important that we share with each other our experiences and challenges so that we can continue to provide quality services to physicians and patient.

Gobind Gurbani
Co Editor
Email: gbgurbani@gmail.com

प्रदेश में नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा

आई बैंक सोसाइटी द्वारा 25 अगस्त से 8 सितम्बर 2022 तक मनाया जायेगा

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान द्वारा प्रदेश में नेत्रदान के प्रति आम लोगों में जागरूकता बढ़ाने, समाज में स्वैच्छिक नेत्रदान की भावना जागृत करने तथा प्रत्येक परिवार में मरणोपरांत नेत्रदान की परंपरा स्थापित कराने के उद्देश्य से आगामी 25 अगस्त से 8 सितंबर 2022 तक राज्य व्यापी नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा मनाया जाएगा ।

आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष,पूर्व आई ए एस अधिकारी श्री बी.एल. शर्मा ने बताया कि जागरूकता पखवाड़े के दौरान आई बैंक सोसाइटी के जयपुर मुख्यालय सहित जयपुर से बाहर नेत्रदान का कार्य कर रहे अजमेर, जोधपुर, भीलवाड़ा, कोटा, बूंदी, झालावाड़, उदयपुर, अलवर, चित्तौड़ आदि चैप्टर्स के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता लगातार संपर्क एवं प्रचार अभियान चलाएंगे तथा मरणोपरांत नेत्रदान के फार्म भरवाये जायेंगे।

पखवाड़े की तैयारियां शुरू

उन्होंने बताया कि विभिन्न जिला मुख्यालयों तथा आसपास के पुलिस थानों, विश्वविद्यालयों, स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, स्वयंसेवी संस्थाओं, छात्रावासों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, सेना, पुलिस, एनसीसी, तथा जेल अधिकारियों से संपर्क स्थापित कर वहां के लोगों से अधिकाधिक संख्या में नेत्रदान के फॉर्म भरवाए जाएंगे तथा उन्हें इस कार्य के लिए स्वयंसेवक के रूप में सहयोग करने के लिए प्रेरित भी किया जाएगा ।

इस पखवाड़े के दौरान जयपुर तथा अन्य प्रमुख शहरों में चातुर्मास कर रहे जैन धर्म के मूर्तिपूजक, दिगंबर, श्वेतांबर, स्थानकवासी तेरापंथी आदि समाजों के प्रमुखों से संपर्क साध कर उन्हें अपने गुरू महाराज साहबान से व्याख्यान के दौरान आने वाले श्रावक-श्राविकाओं तथा युवाओं को नेत्रदान के महत्व को समझा कर राज्य में अंधता निवारण कार्यक्रम में अपना सहयोग देने के लिए निवेदन किया जाएगा।

इसी प्रकार से सनातन, सिक्ख, इसाई, सिंधी,मुस्लिम आदि समुदायों के धर्म गुरुओं से भी संपर्क कर नेत्रदान के प्रति जागरूकता लाने के कार्य में सहयोग देने के लिए निवेदन किया जाएगा।

राजस्थान नेत्र ज्योति
अप्रैल-जून, 2022

अप्रेल से जून 2022 की विज़न वर्कशॉप

प्रशस्ति-पत्र, पुरस्कार व प्रोत्साहन राशि के चेक वितरित

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान की दूसरी तिमाही की वीजन वर्कशॉप का आयोजन 12 जुलाई को राजापार्क स्थित होटल बिलीस में किया गया। अध्यक्षता श्री बी. एल. शर्मा, अध्यक्ष आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान ने की एवं प्रतिभागियों का स्वागत श्री ललित प्रकाश कोठारी, सेकेट्री आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान ने किया।

इस एक दिवसीय वर्कशॉप में आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान के सभी चैप्टर के प्रतिभागियों ने, बोर्ड मेंबर्स, एक्जिक्यूटिव कमेटी मेंबर्स ने भाग लिया।

विज़न वर्कशॉप में दूसरी तिमाही के दौरान कुल एकत्रित कार्निया एवं प्रत्यारोपित कार्निया के आंकड़ों की समीक्षा की गई।

वर्कशाप में मैनेजर, सुदर्शना शेखावत ने बताया कि अप्रैल - जून माह में कुल 683 कोर्निया एकत्रित किए गए जिसमें से 454 कोर्निया 66% कि दर से प्रत्यारोपित किए गए। आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान ने एक तिमाही के अंदर 454 कोर्निया प्रत्यारोपित कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जयपुर ने इस तिमाही में सर्वाधिक 327 कोर्निया प्रत्यारोपित करवाए वही अजमेर का योगदान 40 प्रत्यारोपित कोर्निया का रहा। कोटा का योगदान 35 प्रत्यारोपित योग्य कोर्निया का रहा है।

आई बैंक के सभी टेक्नीशियन्स का कार्य प्रशंसनीय रहा। सत्यवीर गुर्जर ने सर्वाधिक 97 कोर्निया संग्रहित कर 76 कोर्निया प्रत्यारोपित करवाए। मुकेश व ओमप्रकाश का प्रदर्शन भी क्रमश 257 एवं 230% का रहा है

इस तिमाही के दौरान अच्छा प्रदर्शन करने वाले सभी कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र, पुरस्कार एवं प्रोत्साहन राशि के चेक वितरित करके सम्मानित किया गया।

- सुदर्शना शेखावत
मैनेजर

टेक्नीशियन सत्यवीर गुर्जर ने सर्वाधिक 97 कॉर्निया संग्रहित किये। जबकि 76 कॉर्निया प्रत्यारोपित करवाये। सम्मानित करते हुए सचिव, एल. पी. कोठारी।

टेक्नीशियन ओम प्रकाश ने 104 कॉर्निया संग्रहित किये। जबकि 69 कॉर्निया प्रत्यारोपित करवाये। सम्मानित करते हुए आई बैंक की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गरिमा अग्रवाल

टेक्नीशियन मुकेश ने 103 कॉर्निया संग्रहित किये। जबकि 74 कॉर्निया प्रत्यारोपित करवाये। सम्मानित करते हुए अध्यक्ष, बी.एल. शर्मा तथा उपाध्यक्ष अशोक भंडारी

Eye Collection Center launched at Chittorgarh in partnership with EBSR and Mahaveer International, Apex, Jaipur

Eye Bank Society of Rajasthan signed a Memorandum of Understanding with Mahaveer InternationalApex (MI) on 21st March 2022 for promoting eye donation in Rajasthan with the ultimate objective of eradication of corneal Blindness in it.

MI has about 176 functional centers in Rajasthan, already working for the welfare of disadvantaged strata of society. The EBSR has time-tested system of makingeye donation. Two organisations have entered into a strategic partnership to start eye collection centers in the state building.

First outcome of the partnership is starting of Eye Collection Center launched at Chittorgarh.Shri Arvind Poswal, Collector Chittorgarh inaugurated this center on 10th July 2022 in a well-attended ceremony at the Chittorgarh. The Collector Chittorgarh was highly appreciative of the project and assured his full support as well as support of the district administration for this noble cause.

Shri Anil Jain, Secretary General, Mahaveer International Apex stated that this is the first Eye Collection Center launched on Pilot basis. MI will open many more such centers to take eye donation movement to every corner of the State. Shri Lalit Kothari, Secretary EBSR, briefly explained the process of Eye donation. He expressed hope that the Lions Club Chittorgarh, with its numerous centers in both rural and urban areas, can make eye donation as a community movement. He hoped that MI will take this movement to the entire state and will play a major role in the eradication of corneal blindness in the State.

Dr. Vijay Gupta, Principal, Medical College Chittorgarh briefly reviewed the position of the corneal blindness in Rajasthan. He was hopeful of starting keratoplastyin Chittorgarh to give vision to corneal blind persons. Shri Gobind Gurbani explained the need to create awareness about eye donation and how to spread awareness about the eye donation. Shri AbhayaSanjeti, President MI Chittorgarh welcomed all guests and assured that all members MI Chittorgarhwill collectively work to make it a model Eye Collection Centre. The ceremony was attended by members of the MI Apex, MI zonal and MI Chittorgarh. Shri Sunil Bakiwala, treasurer also participated in the ceremony.

Lalit Kothari
Secretary, EBSR

तेज रफ्तार गाड़ी ने उजाड़ा परिवार ; दो बहनों की मौत ; पिता ने करवाया नेत्रदान

दो बहिने - प्रीति जैन और तृप्ति जैन अपने पिता रतनलाल की तबीयत खराब होने के कारण जयपुर में अपने भाई के फ्लैट में शिफ्ट हुई थी। वे पिता की देखरेख के साथ प्राइवेट नौकरी भी करती थी। 6 जून 2022 की सुबह दोनों बहनें घर से कुछ दूरी पर स्थित मंदिर में गई थी। वापस लौटते समय रास्ते में कार में बैठकर कुछ लोग रात की शराब पार्टी के बाद सुबह की चाय पीने राजापार्क जा रहे थे। तभी युवक-युवतियों के तेज रफ्तार कार ने दोनों बहनों की स्कूटी को टक्कर मार दी। कार ओवरस्पीड चल रही थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी दो हिस्सों में टूटकर पेड़ से जा टकराई। स्कूटी चला रही बड़ी बहन प्रीति स्कूटी के साथ पेड़ से टकरा गई और छोटी बहन तृप्ति कार के नीचे आ गई। मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने दोनों बहनों को बाहर निकाला और एसएमएस अस्पताल पहुंचाया, जहां दोनों बहनों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

प्रीति जैन

तृप्ति जैन

दोनों बहने पिता की सेवा में संलग्न थी, उन्होंने पहले ही नेत्रदान का संकल्प पत्र भर रखा था, उनके परिवार के सदस्य इस बात से अवगत भी थे। उनकी इस भावना का सम्मान करते हुए परिजनों ने दोनों बहनों का नेत्रदान कराया। आई बैंक सोसाइटी उनकी इस भावना की सराहना करते हुए उनके परिवार वालों का आभार व्यक्त करती है तथा दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करती है।

आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान इन दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करती हैं, और भगवान से प्रार्थना करते हैं कि, इस दुखद घटना से उबरने में परिजनों की मदद करें।

-अंजू जैन

राजस्थान नेत्र ज्योति
अप्रैल–जून, 2022

नेत्रदान के बारे में क्या कहते हैं हमारे धर्म गुरू

भारतीय संस्कृति की यह विशेषता है कि यहाँ के सभी धर्मों में चाहे सनातन धर्म हो, जैन धर्म हो, बौद्ध धर्म हो, सिक्ख धर्म हो सभी ने दया–करुणा, परोपकार की भावना पर बल दिया है। इनमें नेत्रदान, अंगदान, रक्तदान करके हम अपने धर्म की पालना कर रहे हैं। वैसे तो ईसाई धर्म और इस्लाम भी इस भावना के विरोध में नहीं है, इसीलिए यूरोपीय देशों व अमेरिका में ईसाई धर्म मानने वाले खुलकर यह सब दान कर रहे हैं। नीचे दो जैन साधुओं तथा सनातन धर्म गुरु के विचार प्रकाशित किये जा रहे हैं।

– सम्पादक

– मुनि श्री चन्द्रप्रभ जी –

- दुनिया में जो सबसे बेशकीमती मोती हैं, व हमारी अपनी ही आँखें हैं। हमारी इन आँखों में दुनियाभर का उजाला समाया है। दिखने में ये छोटी–सी हैं, पर इसके पास पूरी दुनिया को देखने का हुनर है।
- आँखें हमारे दिमाग की खिड़कियाँ हैं। इन्हीं से सूरज और चाँद दिखाई देते हैं और इन्हीं से ही सारी दुनिया रोशन है। आँखों की असली कीमत तो उनसे पूछिए जो किसी वजह से अपनी आँखें खो चुके हैं।
- हम जीवनभर अपनी इन आँखों का सकारात्मक उपयोग करें। मरणोपरान्त इन बेशकीमती आँखों का दान करके हम किसी अभागे को सौभाग्य और अँधेरे में घिरे इंसान को उजाला दे सकते हैं।
- अगर सभी मरने वालों के लिए नेत्रदान 'अनिवार्य' कर दिया जाए तो इस एक वर्ष में इंसानियत को अँधत्व से मुक्त किया जा सकता है। इंसान के द्वारा इंसान को ईश्वरीय वरदान दिया जा सकता है।
- मरता है शरीर, अमर है आत्मा। नेत्रदान से मिलता है, स्वयं परमात्मा। नेत्रदान का संकल्प करके हम मृत्यु के बाद भी मृत्युंजय बन सकते हैं। हम इस अनमोल रत्न के दान का संकल्प लें।

सबसे अनमोल दान नेत्रदान
एक ऐसा दान जिसमें जीव निर्जीव होकर भी
दूसरे के काम आने का पुण्य कमा सकता है।
नेत्रदान करेंगे तो मरकर भी दुनिया को फिर से देखेंगे।

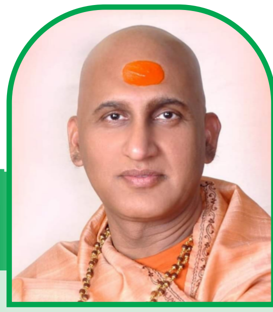

– स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी –

- 'नेत्रदान', 'रक्तदान', 'अंगदान' ये असाधारण कार्य करके मृत्यु के बाद भी जीवित रहने का यह दिव्य अवसर हर व्यक्ति को मिलता है।
- नेत्रदान मानव जीवन के कल्याण के लिए सबसे बड़ा दान होता है। मरने के बाद एक व्यक्ति के नेत्रदान से दो व्यक्तियों को जीवन में रोशनी मिलती है। नेत्रदान को परिवार और समाज की परम्परा बनाएं ताकि आपके दुनिया में नहीं रहने के बाद भी आपकी आँखों से कोई अन्य जरूरतमंद दुनिया को देख सके। किसी दृष्टिहीन व्यक्ति के कठिनाई भरे जीवन का अनुमान आप सिर्फ कुछ पलों के लिए अपनी आँखें बंद करके ही लगा सकते हैं।
- प्रकृति ने जीव को 'दृष्टि' एक ऐसा अमूल्य उपहार दिया है जिसकी कोई कीमत नहीं आंकी जा सकती है। जिस अंधकार में हम एक क्षण बिताने की कल्पना नहीं कर सकते, उसी गहन अंधकार में कितने ही लोग जिन्दगी गुजारने को विवश हैं। नेत्रदान से किसी का जीवन प्रकाशमय हो सकता है। हमारे सभी धर्मों में दया, परोपकार, जैसी मानवीय भावनाएँ सिखाई जाती हैं।

यदि हम अपने नेत्रदान करके मरणोपरान्त किसी की निष्काम सहायता कर सकें तो हम अपने धर्म का पालन करेंगे, क्योंकि इसमें कुछ भी स्वार्थ नहीं है, इसलिए नेत्रदान महादान माना जाता है।

– मुनि श्री पुलक सागर जी –

- क्या आप भी दृष्टिबाधित लोगों के अंधकारपूर्ण जीवन को प्रकाश से आलोकित कर उनकी जिंदगी को खुशियों से भरना चाहते हैं? क्या अंधत्व निवारण अभियान में आप भी एक सक्रिय मददगार की भूमिका निभाना चाहते हैं? क्या आप भी ईश्वर द्वारा प्रदत्त इस मानव योनि के आभार स्वरूप समाज का कुछ ऋण चुकाना चाहते हैं? तो देर किस बात की। नजदीक के किसी भी नेत्रकोष अथवा नेत्र चिकित्सालय जाएं और तत्काल नेत्रदान का संकल्प पत्र भर दें।
- यदि अधिक उम्र अथवा अस्वस्थता के कारण नेत्रकोष तक जाना संभव नहीं है तो नेत्रकोष को टेलीफोन के माध्यम से भी अपने संकल्प से अवगत कराया जा सकता है।
- यह ध्यान रखें कि नेत्रदान का संकल्प लेने के बाद अपने परिजनों को इस निर्णय से जरूरत अवगत करा दें ताकि आपका संकल्प वाकई में सार्थक और क्रियान्वित हो सके। नेत्रदान जैसे पुनित कार्य के प्रति पुलक चेतना मंच के सदस्य दिवंगत परिवार के यहां जाकर नेत्रदान का महत्व आवश्यकता और प्रक्रिया को सरलता से अवगत करायें।

ये मत सोचना कि नेत्रदान करने से अगले जन्म में आंखें नहीं मिलेगी बल्कि इस बात पर विश्वास करना कि इस जन्म में किये गये नेत्रदान से हम आने वाले सात जन्मों में आंखों की व्यवस्था यहीं से करके जायेंगे।

नई रोशनी : नया उत्साह

आई बैंक सोसाइटी द्वारा पिछले कुछ महीनों से बनाये गये नई रोशनी Whatsapp Group के माध्यम से सरकारी अस्पताल में हुए कोर्नियल प्रत्यारोपित मरीज़ों से लगातार संवाद हो रहा है।

इस ग्रुप में अभी 130 व्यक्ति हैं, और समय-समय पर और भी जुड़ते जा रहे हैं। इस ग्रुप में कोर्निया प्रत्यारोपित मरीज़ों की समस्याओं को समझने का अवसर मिल रहा है। लम्बी क्यू में खड़े रह कर अपनी बारी के लिए मरीज़ मन में आशा की नई किरण के लिए घंटों इंतज़ार करते नज़र आए।

एसएमएस हॉस्पिटल के डॉक्टर राजेश गोयल, सह आचार्य एवं नेत्र विशेषज्ञ तथा डॉक्टर धर्मवीर एवं यूनिट हैड से मिलने पर उन्होंने बताया कि एसएमएस अस्पताल में लेटेस्ट टेक्नोलॉजी इस्तेमाल की जाती है। रेज़िडेंट डॉक्टर्स को भी ऑपरेशन के बाद ध्यान देने वाली सावधानियों के बारे में अच्छी तरह हिदायतें देते हैं। इस बात पर ज़ोर दिया जाता है कि कॉर्नियल प्रत्यारोपण के बाद रेगुलर चेकअप अति आवश्यक है। हमारे असिस्टेंट मैनेजर राम दयाल जाट भी ऑपरेशन के बाद मरीज़ों से मिलते रहते हैं। डॉक्टर राजेश गोयल की सहमति से एक do's and don'ts list भी तैयार की गई है, जो Whatspp group, नेत्र विभाग OPD और कॉर्निया क्लिनिक के बाहर लगा दी गयी है। इस लिस्ट के निर्देशों को पढ़ कर पेशेंट ज़्यादा अलर्ट रहते हैं। कॉर्निया क्लिनिक में नेत्र विशेषज्ञ प्रत्येक बुधवार एवम् शुक्रवार को चरक भवन बेसमेंट में सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक उपलब्ध रहते हैं। यहां अधिकतर कॉर्नियल पेशेंट्स को ही देखा जाता है। यहाँ लंबी क्यू नहीं होने से ज्यादा सुविधाजनक है।

डॉ. राजेश गोयल ने सहजता से एक विडीओ मैसेज भी रेकॉर्ड किया, जो हम Whatsapp के माध्यम से मरीज़ों के साथ शेयर करते रहते हैं, जिसमें keratoplasty के बाद आने वाली आम समस्याओं और उनके निवारण को सरलता से समझाया गया है।

यह इसलिए भी जरूरी है कि सरकारी अस्पतालों में इलाज कराने वाले बहुत समर्थ और ज्यादा शिक्षित नहीं होते, उन्हें अधिक सपोर्ट की आवश्यकता होती है।

हमारे पास जब कोर्नियल पेशंट्स का मैसेज या फ़ोन आता है कि, उनकी खोयी हुई रोशनी आ गयी, तो ऐसा लगता है मोनो ईश्वर ने सभी खुशियाँ हमारी झोली में भर दी हों।

ऑपरेशन के बाद, कुछ प्रतिक्रियाएं

कॉर्निया लाभार्थी – सोनू कुमावत ने अपने विचार इस प्रकार व्यक्त किये – मुझे कॉर्निया की जरूरत थी। एक साल से मैंने सभी जगहों पर दिखाया पर कॉर्निया नहीं मिला और हाल ही में एसएमएस हॉस्पिटल में मुझे कॉर्निया ट्रांस्प्लांट हो गया है। मैं तहे दिल से शुक्रगुजार हूँ। मैं और मेरे परिवार की ओर से आपकी टीम का और डॉक्टर्स का धन्यवाद! मेरे जीवन में बहुत बडा परिवर्तन आ गया है।

कॉर्निया लाभार्थी – अवि लालवानी ने अपने मन की भावना इस प्रकार व्यक्त की – मेरा ऑपरेशन हुए अभी 3 महीने ही हुए हैं और मैं अभी काफी अच्छी तरह से देख पा रही हूँ।

– अंजु जैन
सदस्य, आई बैंक सोसाइटी

कॉर्नियल लाभार्थियों के लिए डॉक्टर के दिशा निर्देश:

1 ऑपरेशन के बाद नियमित चेक अप के लिए नेत्र विशेषज्ञ के पास अवश्य जाएं।

2 आई ड्राप्स व दवाईयों का प्रयोग ठीक उसी तरह करें, जैसे आँखों के डॉक्टर ने निर्देश दिए हैं।

3 अपनी सामान्य दिनचर्या शुरू करने के लिये नेत्र विशेषज्ञ से सलाह लें।

4 इस तरह के ऑपरेशन से पूरी तरह से ठीक होने में एक वर्ष या उससे अधिक समय लग सकता है, जो हर व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति पर निर्भर होती हैं।

5. नजर कम होने पर, आँख में दर्द होने पर, आँख लाल होने या आँखों से पानी आने पर नेत्र विशेषज्ञ से मिलें।

6 इस ऑपरेशन के बाद टांके लगते हैं, अतः डॉ0 के बताये अनुसार आँखों में पानी न लगाएं, न ही तेजी से आँखों पर पानी के छींटे मारें।

7. सूर्य के प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता में बढ़ोतरी देखी जा सकती है। कृपया आराम के लिए आवश्यकतानुसार धूप व धूल मिट्टी से आँखों की सुरक्षा के लिए चश्मा पहनें।

नेत्रदान हेल्पलाइन नम्बर: 08045813000

माता–पिता के नेत्रदान करनवाने के बाद आई बैंक सोसायटी से जुड़ने की प्रेरणा मिली

स्व. श्रीमती उषा भंडारी एवं स्व. श्री एस. पी. सिंह भंडारी

गत माह एक परिजन को परामर्श हेतु मैं जयुपर के एक नेत्र विशेषज्ञ की क्लिनिक में ले गया था। डॉक्टरों ने उनकी समस्या गंभीर होना बताया। रेटिना एक्सपर्ट को तुरन्त दिखाने की राय दी। यह सुनकर हम कुछ विचलित हुए किन्तु हमारी चिन्ता क्लिनिक में परामर्श के लिए आई एक नौ वर्ष की प्यारी लड़की उज़्मा पुत्री इब्राहीम को देखकर काफूर हो गई। इस बालिका को उसके युवा माता–पिता एक आँख के नेत्र प्रत्यार्पण के बाद टांके खुलवाने आये थे। सूक्ष्म शल्य क्रिया से दिखने लग गया। उसके माता–पिता दूसरे नेत्र के प्रत्यार्पण के लिए उत्सुक थे।

उज़्मा, जयपुर – 9 वर्ष

मुझे डॉक्टर से पूछे बिना नहीं रहा गया और यह सुनकर मैं फूला नहीं समाया कि सफल प्रत्यारोपण वाला नेत्र (कोर्निया) आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान से प्राप्त किया गया था। मैं आई बैंक से गत 16 वर्षों से जुड़ा हुआ हूँ। मैंने सन् 1994 में मेरे पिताजी का नेत्रदान करवाया था और सन् 2006 में मेरी माताजी का। पिताजी के स्वर्गवास के समय मैं जोधपुर में तैनात था। जब पूरी आँख (आई बोल) निकाली जाती थी और कोर्निया प्रयोगशाला में अलग किया जाता था। माताजी का नेत्रदान जयपुर में हुआ व मात्र कोर्निया निकाला गया, जिसकी रक्त रहित शल्य प्रक्रिया दस मिनिट में आई बैंक सोसायटी जयपुर के टैक्नीशियन द्वारा किया गया। इन दोनों घटनाओं ने मुझे आई बैंक सोसायटी का सदस्य बनने को प्रेरित किया।

भारतीय समाज व सभी धर्मों में दान देने का महान व नेत्रदान को 'महादान' की संज्ञा दी गई है। इसके द्वारा मानव अपने जीवनकाल में मृत्योपरान्त दान का पुण्य कमाता है। नेत्रदान की भावना से प्रेरित होकर जीवन काल में आप नेत्रदान का संकल्प ले सकते हैं और मृत्योपरान्त आपके परिजन आपके नेत्रों का दान करवाकर पुण्य कमा सकते हैं। मेरे माता–पिता के नेत्रदान के बाद की इस यात्रा को इस मासूम के भोले चेहरे पर पूरा होते देख रहा हूं।

–अशोक भंडारी (पूर्व आईपीएस अधिकारी एवं पूर्व उपाध्यक्ष, आई बैंक सोसायटी)

भाटिया बिरादरी द्वारा प्रशंसनीय निर्णय

श्री भाटिया बिरादरी प्रबन्ध समिति (रजि.),भाटिया भवन,जयपुर की 41वीं वार्षिक साधारण सभा मे लिए गये निर्णयनुसार भाटिया बिरादरी के परिवारों में किसी भी सदस्य का निधन होने पर नेत्रदान को अनिवार्य किया जाएगा।

इसी प्रकार अगर हर बिरादरी अपनी मीटींगं में नेत्रदान की चर्चा करते हुए भाटिया बिरादरी के इस फ़ैसले के बारे में बताएँ तो इस पावन कार्य का मार्ग और प्रशस्त हो सकता है।

महावीर इंटरनेशनल द्वारा आयोजित रक्तदान कार्यक्रम में 19 जून 22 को अग्रवाल कॉलेज जयपुर में आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान द्वारा नेत्रदान जागरूकता डेस्क लगाई गई। गोविंद गुरबानी और सुश्री कमल पनगडिया ने नेत्रदान की प्रक्रिया के बारे सदस्यों को बताया। करीब 70 शपथ फार्म भरे गए।

आँखों की खूबसूरती पर बेपनाह लिखने वालों, एक नजर उन पर भी डालो जो देख नहीं सकते।

आँख का विकल्प और कुछ नहीं बस आँख ही है। देश में चल रही 'आई बैंक' के पास नेत्रहीन लोगों की लिस्ट बहुत लम्बी है। जिनके हाथ, पैर नहीं हो उनके लिए तो कृत्रिम हाथ और पैर का इंतजाम हो सकता है। कान से कम सुनने वाले को भी हम कान की मशीन लगवा सकते हैं। लेकिन अभी तक ऐसी एक भी मशीन या एक शोध नहीं हुआ जिससे हम नेत्रहीन लोगों की आँखों की रोशनी वापिस लाकर उनकी नई जिन्दगी की शुरुआत और अनमोल तोहफा उनको दे सकें।

इसलिए आँख का विकल्प और कुछ नहीं सिर्फ आँख ही है। क्योंकि जिनके पास आँखें नहीं होती हैं वो किसी दूसरे के ऊपर निर्भर रहते हैं यदि उनके आँखों की कमी को हम पूरा कर दें तो वो अपने आपको आत्मनिर्भर कर सकते हैं। इसके बावजूद भी उनके जीवन में एक पीड़ा रह ही जाती है। बिना आँखों के ना ही वो इस धरती के सौन्दर्य को देख सकते हैं। इसलिए इस पीड़ा को इस अंधकार को मिटाने के लिए उनको ये प्यारी से दुनिया अपनी आँखों से दिखाने के लिए 'आई बैंकों' की शुरुआत हुई है। ऐसे ही नेत्रहीन लोगों के जीवन में रोशनी फैलाने के लिए सिर्फ एक ही उपाय है वो है नेत्रदान।

इसलिए हमें नेत्रदान के बारे में लोगों को जागरूक करने की जरूरत है जो कार्य समाजसेवकों और आई बैंकों के द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाता है। इसलिए हमें पुरानी विचार धारा को त्याग कर नई विचार धारा को अपना कर जीते जी रक्तदान और मरने के बाद नेत्रदान की पंक्ति को सार्थक कर दूसरों के जीवन में रोशनी फैलाने का संकल्प करना चाहिए। नेत्रदान को अपने परिवार की परम्परा बनाइये। ये संकल्प लें कि अपने परिवार और समाज में व्याप्त अंधविश्वास को समाप्त कर नेत्रदान का महत्व समझाएं। तो हम उन दृष्टिबाधितों की जिन्दगी में भी रोशनी भर सकते हैं जो अभी तक अपने परिवार पर दृष्टिबाधित होने की वजह से बोझ महसूस करते हैं।

मैं कहता हूँ आप एक बार उन दृष्टिबाधित लोगों से मिलें, जिनके जीवन से अंधकार आपके नेत्रदान करने से मिटा है। तो आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि आपके मन और आत्मा को कितना सुकून मिलेगा। अंधविश्वास और रूढ़िवादिता को छोड़कर नेत्रदान करें और लोगों को जागरूक कर नेत्रदान करवायें भी।

– सत्यवीर गुर्जर
टैक्निशियन, ईबीएसआर, जयपुर

24 अप्रैल 2020 को संतोबा दुर्लभजी अस्पताल जयपुर, में जैन सोशल ग्रुप द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान ने नेत्रदान जागरूकता डेस्क लगाई। शिविर में लगभग 500 लोगों ने हेल्प डेस्क पर आकर नेत्रदान के बारे में जानकारी प्राप्त की जबकि 81 लोगों नेत्रदान के शपथ पत्र भरे।

अप्रैल से जून 2022 की तिमाही में जिन 454 लोगों को कॉर्निया प्रत्यारोपित किये गये उनमें से कुछ लोगों के चित्र यहाँ प्रकाशित किए जा रहे हैं।

आशी देवी
तारा नगर, चुरू

ममता
शास्त्री नगर, भीलवाडा

मुम्तीयाज
कायमगंज, फरूकाबाद

चतुर्भुज
झालाना, कच्ची बस्ती, जयपुर

सादिक
नोहर, हनुमानगढ़

शीला
भुवाना, झुंझुनू

सोनू कुमावत
जालिया रोड, ब्यावर, अजमेर

मीरा
चुरारी, फतेहपुर, आगरा

चौथी बाई
वजीरपुर - सवाई माधोपुर

मोती लाल
बहरावाडा, खुर्द - सवाई माधोपुर

गीता देवी
कोटपुतली - जयपुर

मंजू
उडीया कला - अलवर

हेमन्त कुमार
थानागाजी, अलवर

बरजी देवी
आमेर, जयपुर

नेमीचन्द
बारौली, भरतपुर

अमर
ब्यावर, अजमेर

दान में प्राप्त कॉर्निया

राजस्थान के विभिन्न शहरों से परोपकारी परिवारों ने समिति को अपने मृतक परिजनों के कॉर्निया दान करने दृष्टिबाधितों को नया जीवन देकर उपकार करने का पुण्य कार्य किया है। दान में प्राप्त कॉर्निया की संख्या में हुई प्रगति की जानकारी हम नेत्र ज्योति के पूर्व अंकों में नियमित रूप से प्रकाशित करते रहे हैं। अप्रैल 2022 से जून 2022 तक समिति के जयपुर मुख्यालय एवं चैप्टर्स से संयुक्त रूप से 683 कॉर्नियाँ दान में प्राप्त हुए हैं। मासिक विवरण इस प्रकार है :–

दान में प्राप्त कॉर्निया

माह	कॉर्निया संग्रहण	कॉर्निया प्रत्यारोपण	प्रत्यारोपण उपयोगिता दर
अप्रैल, 2022	212	150	70.75%
मई, 2022	243	151	62.14%
जून, 2022	228	153	67.00%
कुल संख्या	683	454	66.47%

LIST OF FINANCIAL DONORS FOR THE PERIOD (01.01.2022 TO 30.06.2022)

1	Justice Ganpat Singh Singhvi	80000
2	Ramesh Bhandari	51000
3	PC Mishra	50000
4	Ranjit Singh Kumat	50000
5	Nagendra Jain	50000
6	B.K. Zutshi	25000
7	Gaurav Sharma	21000
8	Ram Sharan Tambi	20000
9	Ms Maya Tondon	20000
10	Satish Chand Mehta	15000
11	Rajendra Singh Bhandari	11000
12	Anju Jain	11000
13	Popular Printers (Nirmal Goyal)	11000
14	Prof. H.S Sharma	11000
15	Ms.Paale Verma	11000
16	Perfect Solution (Hari Chand Sachdeva)	11000
17	Vinay Chand Sacheti	11000
18	Mohan Raj Jain	11000
19	Umrao Devi Surendra Mohan Charitable Trust (N.C Dandia)	10000
20	Ashok Kumar Bhandari	10000
21	Arun Kumar	10000
22	I.C Srivastava	10000
23	Kamal Developers Pvt.Ltd.	7000
24	D.C Samant	5000
25	S.C. Derashri	5000
26	Rajendra Shekhar	5000
27	N.C Dandia	5000
	Total	**537000**

Donate Your Eyes.............Help Combat Corneal Blindness

नेत्रदाताओं की सूची

अप्रेल 2022

दीपक सिंह – महरोली, सीकर
दीपक जिंदल – चोडा रास्ता, जयपुर
विमला देवी – तितरपुर, मसूरी, रेवाड़ी, हरियाणा
पूरनमल सैनी – आनंदपुरी, आदर्श नगर, जयपुर
भंवरी – करनपुरा, सीकर
नमोनारायण – वजीरपुर वरकपट्ट, सवाईमाधोपुर
दिवाकर जिंदल – प्रताप नगर, उदयपुर
रुकमणी देवी कसेरा – प्रताप चौराहा, कोटा
अनिल जैन – बल्लभ बारी, कोटा
जगदीश प्रसाद – पांचियावाला, जयपुर
प्रीतम शर्मा – महवा, दौसा
हुक्मा राम – गांव- चावंडा, जोधपुर
राजीव शर्मा – बाबा हरिश्चंद मार्ग, जयपुर
निर्मला देवी – कश्मीरी गेट, कुचामन, नागौर
लालू प्रजापति – आम्रिगेट दरवाजा, भेशवा, दौसा
करणीदास राठौड – बालकुंडी, बेगू
शंकर लाल शर्मा – गोविंदगढ़, जयपुर
शंकर लाल – लक्ष्मी नगर 1, झोटवाडा, जयपुर
सुरेश देवदर्शन – काशगंज, उत्तरप्रदेश
घनश्याम – पापुराना, खेतड़ी, झुंझुनूं
गजेंद्र कुमार बोहरा – अशोक विहार, उदयपुर
धर्मेंद्र कुमार कुलश्रेष्ठ – कृष्णा नगर, कोटा
जमना देवी रावत – नाटाणियों का रास्ता, जयपुर
भगवान बसवानी – नाका मदार, अजमेर
मान कावर भंसाली – सरदारपुरा, जोधपुर
रामकन्या देवी कसेरा – सुभाष कॉलोनी, कोटा
कुंदन सिंह – तिमलिया बस, अलवर
भूरी देवी – गांव- मदीम, रापा, मथुरा, उत्तर प्रदेश
छोटा देवी – कुस्तला, सवाईमाधोपुर
बनवारी – गांव- टंकरवाला, बुद्धदीप, कोटा
पद्मा देवी बाफना – मोचिवारा, बालोतरा
अंशु भाटिया – मिलन नगर, झुंझुनूं
राजेश तेली – राम नगर, जयपुर
यशस्वी सोनी – कृष्णा नगर, जयपुर
किशन – अपना घर, पाली
टीकमदास पंजवानी – संतोषी नगर, कोटा
गोरधन पचरी – गांव- चांदपुरा, सावली, सीकर
रेखा उत्तम चंदानी – शास्त्री नगर, ब्यावर
गुड्डी देवी – झांज्या का बस, दौसा
कौशल्या सोनी – गणेश नगर, कोटा
कैलाश चंद जैन – भवानीमंडी, झालावाड़
प्रेमपाल शर्मा – कमला नेहरू एनजीओ, पाली
प्रकाश चंद नागोर – जोधपुरिया, पाली
बस्ती देवी – हंससर, झुंझुनूं
गणेश नारायण – झुंझुनूं
रमेश पावा – अपना घर, अलवर
हीरो देवी – लोहिया नगर, बल्केश्वर रोड, आगरा
अशोक – मुंडा दातारामगढ़, सीकर
शिशुपाल – शेर सिंह की ढाणी, चिडावा
राजेंद्र सैनी – श्याम नगर, लालसोत, दौसा
श्रीराम – रामसर, जामवरमगढ़, जयपुर
कपुरचंद – राधा कृष्ण कॉलोनी, भरतपुर
ग्यारसीलाल गुर्जर – गांव- कुठानिया, झुंझुनूं
त्रिलोक चंद जैन – विक्रम चौक, जयपुर
चांद देवी जैन – तलवंडी
प्रदीप बापना – सी-स्कीम, जयपुर
रमेश कुमार वर्मा – सरना रोड, किशनगढ़, अजमेर
महेंद्र गुप्ता – माधो वाली गली, फिरोजाबाद, उ.प्र
संतोष कुमारी मेहता – रामपुरा, कोटा
मुकेश बैरवा – गांव- तमावास, रापावतन, दौसा
ओम प्रकाश बैरवा – गांव- बंदरसिंदरी, अजमेर
गोपाल लाल सैनी – शिवाजी चौक, जयपुर
रामसिंह यादव – नाथ की नंगल, सीकर
भगवती देवी – बूनम कॉलोनी, कोटा
सावत्री देवी – बसंत विहार, दौसा
दुर्गेश – हाथरस, बरसाना, मथुरा, यूपी
सजना देवी – बिहारीपुरा, नीम का थाना, सीकर
दिनेश विजय – पार्श्वनाथ सुखद, कुन्हाड़ी, कोटा
बसंत कुमार – सहेली मार्ग, उदयपुर
शांति देवी – स्वामी विवेकानंद नगर, कोटा
सुनील कुमार जैन – चंद्र कॉलोनी, किशनगढ़
राजू शर्मा – अलवर
कैलाश चंद रावत – सुरेदिया, ब्यावर, अजमेर
दीपक – बड़ौदामेज, लक्ष्मणगढ़, अलवर
शारदा देवी – नई कॉलोनी, रेवाड़ी
श्यामा चोपड़ा – रजत पथ, मानसरोवर, जयपुर
रामकिशन राठी – राठी चेम्बर्स, कोटा
गोपेश महर्षि – बैंक कॉलोनी, महेश नगर, जयपुर
रमेश कुमार – हीरा पथ मानसरोवर, जयपुर
गिरधारी लाल – बसवालोकीढाणी, बगरू, जयपुर
महेंद्र सिंह – गद्दी ढाणी, भद्रा, हनुमानगढ़
प्रतिमा शर्मा – ढोलियों का बास, सीकर
चेतन कुमार प्रजापति – राजगढ़, अजमेर
सनेहलता गेलेरा – कमलाफैक्ट्रीगली, विजय नगर
कैलाश चंद सैनी – स्यालोद्रा, पाटन, सीकर
मालम सिंह – चालकोई, चुरू
नरेंद्र कुमार जैन – ग्रीन नगर, दुर्गापुरा, जयपुर
विनोद कुमार – ग्राम- अमाई, जैतपुर, आगरा
प्रेमनारायण सैन – मेरमा तालाब, अटरू, बारां
कालू बैरवा – सतुर इंडाली, बूंदी
मनीषा – शिक्षा सागर, सांगानेर, जयपुर
मनोहर सिंह – महरासर चचेरा, सरदारशहर, चुरू
हर्षाय – सुजानपुरा, टोडाभीम, करौली
हरि शंकर चतुर्वेदी – राधे विलास, जयपुर
देवी बाई – चोपासनी रोड, जोधपुर
नंद लाल – अहिंशापुरी, फतेहपुरा, उदयपुर
प्रभात राम महावार – गणेश नगर, जयपुर
महेश कुमार गिडवानी – प्रताप नगर, जयपुर
लल्लू – काकरोदा, सपोटरा, करौली
रामलाल महीरा – शाहपुर, जयपुर
अशोक कुमार गुप्ता – अजमेर
अशोक योगी – चौमू, जयपुर
शांति देवी – आर के पुरम, कोटा
सुखलाल जोशी – पिपलाई, सवाईमाधोपुर
उच्चब लाल जैन – तलवंडी, कोटा
भंवर लाल जैन – नैनवा, बूंदी
महेंद्र सिंह धनखड़ी – चूरू

मई 2022

मनोहरी देवी – नई कोठी, गणेश्वर, सीकर
त्रिभुवन शंकर बालोठिया – सिद्धार्थ नगर, जयपुर
सुरजमल कुमावत – गोविन्दगढ, चौमू, जयपुर
बुद्धा सिंह रावत – मसूदा, अजमेर
किशन शेरा – पहाड़गंज, अजमेर
नन्की देवी – निवाई, टोंक
बनवारी – नांगला, अलवर
पारसमल चौपड़ा – ग्राम- गोविन्दगढ, अजमेर
मुकुल गुप्ता – चित्रकुट, वैशाली, जयपुर
भुवन सैनी – मथुरा, उत्तर प्रदेश
कुनाल शर्मा – बजाज रोड़, सीकर
राधाकिशन – बिचोर, चितौड़गढ
विकाश – नोहर, हरियाणा
राजेन्द्र कुमार शर्मा – मानसरोवर, जयपुर
राजु लाल – सांथली, देवली, टोंक
पुष्पा देवी रामपुरिया – हाथी बाबु का बाग, जयपुर
प्रिया मीणा – इन्द्रगढ, जमवारामगढ, जयपुर
शांति देवी – वाटिका रोड़, सांगानेर, जयपुर
सत्यनारायण सैनी – गणेश विहार, जयपुर
हरविन्दर कौर – आयनपुर, अफजलगढ, बिजनौर

नेत्रदाताओं की सूची

हेमन्त कुमार यादव - मालाखेड़ा, अलवर
ज्याना देवी - मटलपुरा, फागी, जयपुर
विनिता - सालीमपुर, टोडाभीम, करौली
अमीत - भांकरोटा, जयपुर
हनुमाना राम वर्मा - हजोद, सीकर
सत्यवती शर्मा - जमनालाल बजाज मार्ग, जयपुर
सुमिता खण्डेलवाल - पिंपाड़ शहर, जोधपुर
राम प्रकाश सियाक - शिवपुरा, परबतसर, नागौर
लेखराज - धमुण खुर्द, सवाईमाधोपुर
अणची देवी - दूदू का बास, नवलगढ, झुन्झूनू
रणजीत - सहरोली, सैपऊ, धौलपुर
कन्हैयालाल - मोजमाबाद, जयपुर
रामकरण बैरवा - जगतपुरा, जयपुर
रामलाल - ग्राम- चावंडिया, मेड़ता, नागौर
गब्बर - रूपवास, भरतपुर
भागचंद गुर्जर - जनता कॉलोनी, अजमेर
बाबू लाल जैन - महावीर नगर- 3, कोटा
श्याम कंवर - थड़ा, प्रतापगढ
राधा कृष्ण नायक - इन्कम टेक्स कॉलोनी, जयपुर
खुबीराम - ग्राम- भूपर, बैर, भरतपुर
लाला राम - वाटिका, सांगानेर, जयपुर
टीना सैन - नृदान विहार, कोटा
सोनी हेपी - ग्राम- श्रीपुरा, खनीपुरा, जयपुर
मुली देवी - दीनानाथ की गली, जयपुर
सावत्री - थानागाजी, अलवर
आशीष प्रजापत - नया गाँव, सवाईमाधोपुर
भागा देवी - चूरू
माडुराम - चारावास खेतड़ी, झुन्झूनू
लीलू देवी - सुभाष नगर, जोधपुर
आयुष जैन - फागी, जयपुर
पुनम फुलवारिया - अम्बेडकर नगर, सीकर
दुर्गेश माली - प्रतापगढ़, उदयपुर
रमेश नवल - पातलिया जाव, सोजत, पाली
रामकन्या देवी कट्टा - सी एच बी,
शंकरलाल कुमावत - कालाडेरा, चौमू, जयपुर
बाबू लाल - डोड, सीकर
गौरव जैन - किशनगढ रेनवाल, जयपुर
चांद कंवर - भास्कर चौराहा, रातानाडा
संजयवाटिका - जयपुर
गुलाब देवी - वैशाली नगर, जामडोली, जयपुर
प्रेम शंकर केवट - ग्राम- पाटोंदा, बांरा
दुली चंद - नगर, मोरी मोहल्ला, भरतपुर
इन्द्रा जैन - श्रीनगर, संतोष नगर, उदयपुर
लक्ष्मी - हाईवे केम्पस कॉलोनी, जयपुर
आरव जैन - कमला नेहरू नगर, जयपुर
मीरा देवी - किशपुरा तपरीया, नागेंल, दौसा
भुवनेश गोस्वामी - गालव नगर, जयपुर
संजय तंवर - चार दरवाजा, जयपुर
प्रभु लाल - उदयपुर

जून 2022

राकेश वर्मा - टोडारायसिंह, टोंक
ओम पाल - तहसील राजाखेड़ा, धौलपुर
मोहन लाल रैगर - बस्ती, जयपुर
श्रीमती कृष्णा देवी - नगरपालिका कॉलोनी, बारां
नरोत्तम लाल सोनी - झालावाड़
शिमला गोखरू - सुभाषनगर, भीलवाड़ा
बंशी मुक्कड़ - कोटपूतली, जयपुर
भोरी देवी शर्मा - चौमूं, राजस्थान
सुल्तान सिंह - लक्ष्मणगढ़, सीकर
मंजू संदलपुर - पानीपत, हरियाणा
दिनेश कुमार राठी - पाली
कुंवर सिंह - भरतपुर
पूरणमल - रेलन वाला, जयपुर
राजेश मल्होत्रा - बस्सी, जयपुर
शंभू लाल जांगिड़ - सीकर रोड, जयपुर
पुखराज शर्मा - फुलेरा, जयपुर
शिव कुमार - अलवर
उमा छीपा - जूता गली, रायपुर
सीताराम नायक - लक्ष्मणगढ़, सीकर
मंजू कंवर - झोटवाड़ा, जयपुर
कन्नू देवी - तहसील बरोदा, सवाईमाधोपुर
बनवारी प्रजापत - दौसा
कृष्णा - जलमहल, तमिल कॉलोनी, जयपुर
राकेश मीणा - थानागाजी, अलवर
मुरारी लाल शर्मा - हीरापुरा, जयपुर
रमेश चन्द्र गुप्ता - महावीर नगर, कोटा
हेमचन्द धारीवाल - पुलिस लाइन चौराहा, अजमेर
नरेश कुमार - सरदार वाटिका, बारां
मूलचन्द सैनी - उदयपुरवाटी, झुंझुनूं
पूजा बैरवा - लालसोट, दौसा
राजेन्द्र कुमार - किशनगढ़ रेनवाल, जयपुर
कमल कुमार जैन - सदर बाजार, बूंदी
सुरजीत कौर बतरा - माला रोड, कोटा जंक्शन
स्वर्णकौर - प्रतापनगर, ब्यावर
कमला देवी - तहसील असिंध, भीलवाड़ा
महेन्द्र सिंह - सदर बाजार, मथुरा
सिद्धार्थ शर्मा - चांदपोल बाजार, जयपुर
श्रावनी देवी - मंगलाना, नागौर
भगवाना - ढाणी टिलवा की, सीकर
कविता - जगतपुरा, जयपुर
सुरेश कुमार सैनी - नीमकाथाना, सीकर
कमला बारी - भवानी मंडी, झालावाड़
श्वेता सिंह - सी-स्कीम, जयपुर
लक्ष्मी नारायण विजय - विज्ञान नगर, कोटा
गोरधन सिंह गुर्जर - कोटा
रामस्वरूप वर्मा - थानागाजी, अलवर
रणजीत बैरवा - निवाई, टोंक
गुडिया देवी - चौमूं, जयपुर
करण सिंह चौधरी - कानोता, जयपुर
शांति देवी - रामगंज, कोटा
श्रीमती सोहन बाई जैन - भवानी मंडी, झालावाड़
ख्यालीराम जाट - सागर, जयपुर
पुरुषोत्तम बिहारी माथुर - लाडपुरा, कोटा
सूजन शर्मा - कागजी देवरा, बूंदी
धर्मवीर - शाहपुरा, मथुरा (यूपी)
दीपक छीपा - दौसा
सत्यनारायण मालपानी - सुभाषनगर, भीलवाड़ा
राजकुमार जैन पहाड़िया - वल्लभबारी, कोटा
पंकज गुर्जर - शास्त्रीनगर, जयपुर
रिंकू, मुरैना - मध्यप्रदेश
प्रीति जैन - तिलक नगर, जयपुर
कृति जैन - तिलक नगर, जयपुर
सीता देवी - नांगला, बिहार
प्रेमप्रकाश ओतवाल - हिरणमगरी, उदयपुर
चांदी बाई - कालका माता रोड, उदयपुर
राजकुमार डांगरी - जनकपुरी, कोटा
सुरेश शर्मा - गौतम नगर, झालावाड़
रोहिताश - नीमकाथाना, सीकर
मनीष शर्मा - किशनगढ़, अजमेर
जम्मू कुमार जैन - सब्जी नगर, बारां
अनुराग साहनी - निवारू रोड, झोटवाड़ा, जयपुर
शिव कुमार - भिवानी, हरियाणा
शशि जैन - आदर्श नगर, जयपुर
बच्चू सिंह - धौलपुर
गंगा सहाय मीणा - टोडाभाटा बस्ती, जयपुर
हरभजन सिंह - मथुरा, उत्तरप्रदेश
विमला जैन - राधेश्याम मंडी रोड, बारां
धापू बाई - झालावाड़
संच कुमार गोयल - नया बाजार, अजमेर
रामदयाल चौधरी - तहसील फागी, जयपुर
कृष्ण कुमार - सुराई पोल, अजमेर

Donate Your Eyes.............Help Combat Corneal Blindness

Proposed New Building

Eye Bank Society of Rajasthan

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

A VISION FOR VISION

INR 5,00,000
Tissue Distribution Centre
Record Room

INR 10,00,000
Executive Room
Laminar Room
Pre Cut Machine Room
Waiting Lounge
Staff Cafeteria
Evaluation Lab

INR 15,00,000
Training Centre
Admin Office
Research Centre
Reception Lounge
Tissue Demonstration area

INR 25,00,000
Cornea Processing Lab
Board Room

INR 50,00,000
Conference Hall
(Furnished)

INR 1,00,00,000
One Complete Floor

Sponsorship - You are requested to Sponsor a unit to make our Mission, to give vision to Corneal Blind people, Successful. The Concerned Unit witll be named in the Name of Sponsor. Adequate Visibility Will be Provided to All Sponsor/ Donors.

We are looking forward to generous contributions from Organisations, Individuals for this Noble Cause.
Bank Particulars for Donations through RTGS/ NEFT are as follows :

Bank Name : State Bank of India
Acc. No. : 38700274930
Branch : Malviya Nagar Branch, Jaipur, India
IFSC Code : SBIN0006912
Donation by Cheque / Draft to be made in the name of "Eye Bank Society of Rajasthan, Jaipur"

SCAN & PAY

BHIM SBI Pay

For More Information Please Contact :

Sh. B. L. Sharma, IAS (Rtd.)
President, 9829055771

Sh. L. P. Kothari, IAS (Rtd.)
Secretary, 9829214013
Email ID : lalitpkothari@gmail.com

Eye Bank Society Of Rajasthan

Mobile Surgical Unit Campus, Moti Doongari Road, Jaipur-302004,
Office Contact: Manager, 8559900955, ebsr_jp@hotmail.com

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

पाठकों से निवेदन

"राजस्थान नेत्र ज्योति के पाठकगण से विनम्र अनुरोध है कि पत्रिका को और अधिक रोचक बनाने हेतु नेत्रदान से सम्बन्धित समाचार, कविता, लेख एवं चित्र इत्यादि भेजकर अपना योगदान करें।"

नेत्रदान करना हुआ अब आसान

नेत्रदान संकल्प के लिए आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान की

वेबसाईट : **www.ebsr.in**

को लॉग इन कर Apply Now पर क्लिक कर नेत्रदान संकल्प पत्र भर कर नेत्रदान कर सकते हैं।

सही समय पर सही फैसला किसी की जिन्दगी रोशन कर सकता है। नेत्रदान के लिए हमें बस एक कॉल कीजिये।

ONE CALL DOES IT ALL

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

HELPLINE
08045813000

आइये, नेत्रदान को परिवार की परम्परा बनायें।

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूंगरी रोड, जयपुर – 302 004

फोन : 0141-260 4117, 8559900955, 98292 14013 E-mail : ebsr_jp@hotmail.com • website : www.ebsr.in

JAIPUR • UDAIPUR • JODHPUR • AJMER • KOTA • BHILWARA • PALI • ALWAR • BUNDI

स्वत्वाधिकारी आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक, अशोक भण्डारी द्वारा पॉपुलर प्रिन्टर्स, जयपुर एवं आई बैंक सोसायटी ओफ़ राजस्थान, मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूँगरी रोड, जयपुर – 302004 द्वारा प्रकाशित

सम्पादक: लक्ष्मण बोलिया, सह संपादक: गोविन्द गुरबानी

Website : www.ebsr.in Face book page : fb/eyebanksocietyofraj Youtube : Eye Bank Society of Rajasthan (EBSR)